भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.08.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2729 का उत्तर

दावनगेरे से तुमकुरु के बीच नई रेल लाइन

2729. श्री गोविन्द मकथप्पा कारजोल:

डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक में चल रही नई रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन नई लाइनों के विकास के लिए आवंटित/स्वीकृत निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) चित्रदुर्ग के रास्ते दावनगेरे से तुमकुरु को जोड़ने वाली नई रेल लाइन की वर्तमान प्रगति की स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त नई रेल लाइन के लिए आवंटित/स्वीकृत निधियों का ब्यौरा क्या है और उक्त परियोजना का कार्यन्वयन नहीं किए जाने के क्या कारण हैं तथा इसके पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है;और

(ङ) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि उक्त रेल लाइन के पूरा होने से बंगलौर और दावनगेरे के बीच यात्रा की दूरी 60 किलोमीटर कम हो जाएगी और यदि हां, तो उक्त रेल लाइन कब तक चालू हो जाएगी?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

दावनगेरे से तुमकुरु के बीच नई रेल लाइन के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में श्री गोविन्द मकथप्पा कारजोल और डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन के अतारांकित प्रश्न सं. 2729 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं को राज्य-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। बहरहाल, 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली ₹47,016 करोड़ लागत की 3,840 कि.मी. कुल लंबाई वाली 31 रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं (21 नई लाइन और 10 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,302 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹17,382 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इनमें शामिल हैः-

(i) ₹33,125 करोड़ की लागत वाली 2,556 कि.मी. कुल लंबाई की 21 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 395 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹7,592 करोड़ का व्यय किया गया है।

(ii) ₹13,891 करोड़ की लागत वाली 1,284 कि.मी. कुल लंबाई की 10 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिनमें से 907 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹9,791 करोड़ का व्यय किया गया है।

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, दक्षिण रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का जोन-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

तुमकुर-चित्रदुर्ग-दावणगेरे नई लाइन (191 किलोमीटर) परियोजना को कर्नाटक राज्य सरकार के साथ लागत भागीदारी आधार पर शुरू किया गया है, जिसमें कर्नाटक राज्य सरकार निशुल्क भूमि उपलब्ध करा रही है और परियोजना की 50% निर्माण लागत वहन कर रही है। परियोजना की नवीनतम लागत 2142.35 करोड़ रुपए है। मार्च, 2024 तक परियोजना पर 359.32 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 150 करोड़ रुपए का परिव्यय प्रदान किया गया है। उपलब्ध भूमि पर कार्य शुरू कर दिया गया है।

किसी भी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृति, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना के समापन समय को प्रभावित करते हैं। उपरोक्त बाध्यताओं के बावजूद, परियोजना(परियोजनाओं) को तेजी से पूरा करने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्ष 2014 से, कर्नाटक राज्य में निधि आबंटन और परियोजनाओं के लिए तद्नुरूपी कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो निम्नानुसार है:-

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत आबंटन के संबंध में वृद्धि
2009-14	₹835 करोड़/वर्ष	-
2024-25	₹7,559 करोड़	9 गुना

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं की कमिशनिंग निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किया गया कुल रेलपथ	कमीशन किया गया औसत रेलपथ	2009-14 के दौरान औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	565 किमी	113 किमी/वर्ष	-
2014-24	1,633 किमी	163 किमी/वर्ष	1.44 गुना

*****